Q. No.	Total Marks	Obtained Marks
Uint-1-B	2.5	1.5
Unit-1-A	10	4.5
Unit-1-B	22.5	6.75
Unit-1-C	40	11.5
Unit-2-A	10	5.5
Unit-2-B	25	11.5
Unit-2-C	30	10
Unit-3-A	20	7
Unit-3-B	20	4
Unit-3-C	20	7.5
Total Obt. Marks in Figures	200	69.75
Total Obt. Marks in Words		Sixty Nine+ ¾

PART - I

Paper Code

P-1

24347

Medium of Exam

HINDI

Hindi ●

English ○

ıtion of the candidate shall be
date will be liable-
lame, Address, Roll Number,

uestions.
ादि नहीं लिखें। यहाँ तक कि पत्रादि
प्रश्नोत्तर से असंबंधित वाक्य, शब्द
परीक्षा निरस्त की जाकर भविष्य में

number of pages) then bring it
le for that.
तथा उसे बदलवा लें, अन्यथा उसका

ıll Point Pen before answering.
over Sheet (OMR sheet).
पूर्वक भरें। कवर पृष्ठ (ओ.एम.आर.

details have to be filled by the

ान रखें कि कवर पृष्ठ (ओ.एम.आर.

ıarks are indicated in each unit

निट एवं भाग में अंकित हैं।
h versions of the question, the

ान्तर मान्य होगा।
ıage and script, unless directed

दिए जाएँ, जब तक कि प्रश्न विशेष के

should not write answer outside

बाहर उत्तर नहीं लिखें। बॉर्डर लाइन के

be deducted.

only first answer will be assessed.
कल्प दिया गया है और परीक्षार्थी द्वारा एक से अधिक प्रश्न हल किये जाते है ता ऐसी स्थिति में प्रथम उत्तर ही जाँचा जायेगा।
any other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited.
ी भी इलेक्ट्रॉनिक यंत्र का परीक्षा हॉल में प्रयोग पूर्णतया वर्जित है।
or if any unauthorized material is found in his/her possession, F.I.R. would be lodged against him/her
ble to be prosecuted under **Rajasthan Public Examination (Measures for Prevention of Unfair**
ws applicable and Commission's Regulations. Commission may also debar him/her permanently from

ता है या उसके पास से कोई अनधिकृत सामग्री पाई जाती है, तो उस अभ्यर्थी के विरुद्ध पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए और
की रोकथाम अध्युपाय) अधिनियम, 2022 तथा अन्य प्रभावी कानून एवं आयोग के नियमों-प्रावधानों के तहत कार्यवाही की
होने वाली आयोग की समस्त परीक्षाओं से विवर्जित कर सकता है।

e candidate or any attempt is made to damage the Question-Answer Booklet or any page is removed or
entire examination shall be cancelled by the Commission, for which candidate will be liable.

है या प्रश्नोत्तर पुस्तिका को किसी प्रकार की क्षति पहुँचाई जाती है अथवा कोई पृष्ठ फाड़ा जाता है या उस पर किसी प्रकार का
की संपूर्ण परीक्षा निरस्त की जा सकेगी और उसके लिए अभ्यर्थी उत्तरदायी होगा।

CANDIDATE PLEASE READ CAREFULLY

अभ्यर्थी कृपया ध्यान से पढ़ें

Please note that the following act is strictly prohibited and will be treated as unfair means. The entire examination of the candidate shall be cancelled. Also, he/she may be debarred by the Commission from all the future examinations for which the candidate will be liable-

- **Writing any mark of identity inside the Question-Answer Booklet (including space for rough work) i.e. Name, Address, Roll Number, Mobile number etc. However in case of letter writing words like XYZ, ABC etc. can be used.**
- **Writing name of God, religious sign, irrelevant sentence, words and numbers other than the answers of the questions.**

प्रश्नोत्तर पुस्तिका (रफ कार्य के पृष्ठ सहित) के अंदर कहीं पर भी पहचान चिह्न यथा अपना नाम, पता, रोल नंबर, मोबाइल नंबर इत्यादि नहीं लिखें। यहाँ तक कि पत्रादि लेखन में भी नहीं लिखें (XYZ, ABC, अ ब स आदि लिखा जा सकता है)। कोई धार्मिक चिह्न, देवताओं के नाम, अनर्गल बातें, प्रश्नोत्तर से असंबंधित वाक्य, शब्द एवं अंक आदि भी न लिखें। ऐसा करने पर आयोग द्वारा इसे अनुचित साधन अपनाने का कृत्य माना जायेगा तथा अभ्यर्थी की संपूर्ण परीक्षा निरस्त की जाकर भविष्य में आयोजित की जाने वाली समस्त परीक्षाओं से विवर्जित करने की कार्यवाही की जा सकेगी और उसके लिए अभ्यर्थी उत्तरदायी होगा।

IMPORTANT INSTRUCTIONS (महत्त्वपूर्ण निर्देश)

(A) It should be ensured that the Question-Answer Booklet is provided in sealed polythene to the candidate.
अभ्यर्थी यह सुनिश्चित कर लें कि अभ्यर्थी को प्रश्नोत्तर पुस्तिका सीलबंद पॉलिथीन में प्रदान की गई है।

(B) If the Question-Answer Booklet is torn or not printed properly or some pages are missing (Please count the number of pages) then bring it to notice of invigilator at once and change the Question-Answer booklet, otherwise the candidate will be liable for that.
यदि प्रश्नोत्तर पुस्तिका कहीं से कटी-फटी या अमुद्रित है या पृष्ठ कम हैं (कृपया पृष्ठ गिन लें) तो तुरन्त अभिजागर के ध्यान में ला दें तथा उसे बदलवा लें, अन्यथा उसका दायित्व अभ्यर्थी का होगा।

(C) Please fill up all desired details properly on Cover Sheet (OMR sheet) of Question-Answer Booklet with **Blue Ball Point Pen** before answering. The Commission may also deduct 5 marks from the marks obtained if Roll Number is not filled correctly on the Cover Sheet (OMR sheet).
प्रश्नोत्तर पुस्तिका में प्रश्न हल करने से पूर्व कवर पृष्ठ (ओ.एम.आर. पत्रक) पर सभी वांछित विवरण **नीले बॉल पॉइंट पेन** से सावधानीपूर्वक भरें। कवर पृष्ठ (ओ.एम.आर. पत्रक) पर रोल नम्बर का त्रुटिपूर्ण अंकन करने पर आयोग द्वारा प्राप्तांकों में से 5 अंक काटे भी जा सकते हैं।

(D) This Cover Sheet (OMR sheet) consists of Two parts, in which some information is pre-printed, remaining details have to be filled by the candidate. Please ensure that this Cover Sheet (OMR sheet) is not torn or damaged.
कवर पृष्ठ (ओ.एम.आर. पत्रक) दो भागों में बंटा है, जिसमें कतिपय सूचनाएँ पूर्वमुद्रित हैं, शेष की पूर्ति अभ्यर्थी को करनी है। ध्यान रखें कि कवर पृष्ठ (ओ.एम.आर. पत्रक) कहीं से कटे-फटे नहीं अथवा किसी भी प्रकार से क्षतिग्रस्त नहीं हो।

(E) The question paper is divided into different units/parts. The number of questions to be attempted and their marks are indicated in each unit and part.
प्रश्न-पत्र विभिन्न यूनिट/भागों में विभाजित है। प्रत्येक यूनिट एवं भाग में हल किये जाने वाले प्रश्नों की संख्या और उनके अंक उस यूनिट एवं भाग में अंकित हैं।

(F) If there is any sort of ambiguity/mistake either of printing or factual nature then out of Hindi and English versions of the question, the **English version will be treated as standard.**
यदि किसी प्रश्न में किसी प्रकार की कोई मुद्रण या तथ्यात्मक प्रकार की त्रुटि हो तो प्रश्न के हिन्दी या अंग्रेजी रूपान्तरों में से **अंग्रेजी रूपान्तर मान्य होगा।**

(G) Attempt answers either in **Hindi or English,** not in both. For Language Papers, answer in concerned language and script, unless directed otherwise to write in Hindi or English specifically.
उत्तर **हिन्दी या अंग्रेजी** भाषा में से किसी एक में दीजिये, दोनों में नहीं। भाषा विषयक प्रश्नों के उत्तर उनकी संबद्ध भाषा व लिपि में ही दिए जाएँ, जब तक कि प्रश्न विशेष के लिए अलग से हिंदी या अंग्रेजी में उत्तर देने के लिए न लिखा गया हो।

(H) Candidates are directed to write answers only in the prescribed space of Question-Answer Booklet. They should not write answer outside the border line. Answer written outside the border line will not be checked.
अभ्यर्थियों को निर्देशित किया जाता है कि किसी भी प्रश्न का उत्तर प्रश्नोत्तर पुस्तिका में निर्धारित स्थान पर ही लिखें। बॉर्डर लाइन से बाहर उत्तर नहीं लिखें। बॉर्डर लाइन के बाहर लिखे गये उत्तर को जाँचा नहीं जायेगा।

(I) The candidates should not write the answers beyond the prescribed limit of words, failing this, marks may be deducted.
अभ्यर्थियों को उत्तर निर्धारित शब्द सीमा से अधिक नहीं लिखना चाहिए। इसका उल्लंघन करने पर अंक काटे जा सकते हैं।

(J) If there is a choice to attempt one question out of many and the candidate attempts more than one question then only first answer will be assessed.
यदि कई प्रश्नों में से कोई एक हल करने का विकल्प दिया गया है और परीक्षार्थी द्वारा एक से अधिक प्रश्न हल किये जाते हैं तो ऐसी स्थिति में प्रथम उत्तर ही जाँचा जायेगा।

(K) Mobile Phone, watch, smart watch or any other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited.
मोबाइल फोन, घड़ी, स्मार्ट वॉच या अन्य किसी भी इलेक्ट्रॉनिक यंत्र का परीक्षा हॉल में प्रयोग पूर्णतया वर्जित है।

Warning : If a candidate is found copying or if any unauthorized material is found in his/her possession, F.I.R. would be lodged against him/her in the Police Station and he/she would liable to be prosecuted under **Rajasthan Public Examination (Measures for Prevention of Unfair means in Recruitment) Act, 2022,** other laws applicable and Commission's Regulations. Commission may also debar him/her permanently from all future examinations.

चेतावनी : अगर कोई अभ्यर्थी नकल करते पकड़ा जाता है या उसके पास से कोई अनधिकृत सामग्री पाई जाती है, तो उस अभ्यर्थी के विरुद्ध पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए और **राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम अध्युपाय) अधिनियम, 2022 तथा अन्य प्रभावी कानून एवं आयोग के नियमों-प्रावधानों के तहत कार्यवाही की** जायेगी। साथ ही आयोग ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य में होने वाली आयोग की समस्त परीक्षाओं से विवर्जित कर सकता है।

Special Note :
If there is any wrong information filled by the candidate or any attempt is made to damage the Question-Answer Booklet or any page is removed or any marking as identification is done, then his entire examination shall be cancelled by the Commission, for which candidate will be liable.

विशेष नोट :
अभ्यर्थी द्वारा यदि कोई गलत सूचना अंकित की जाती है या प्रश्नोत्तर पुस्तिका को किसी प्रकार की क्षति पहुँचाई जाती है अथवा कोई पृष्ठ फाड़ा जाता है या उस पर किसी प्रकार का पहचान चिह्न अंकित किया जाता है, तो आयोग द्वारा उसकी संपूर्ण परीक्षा निरस्त की जा सकेगी और उसके लिए अभ्यर्थी उत्तरदायी होगा।

SPACE FOR ROUGH WORK

PAPER-I : GENERAL STUDIES & GENERAL KNOWLEDGE

Total Marks : 200

Total Questions : 48

Unit – I **(75 Marks)**

Part – A **Marks : 10**

Note : Attempt **all** questions. Answer the following questions in **15** words each. Each question carries **2** marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों के उत्तर 15-15 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक निर्धारित हैं।

1. Who were the Dyodhidars ?

   ड्योढ़ीदार किन्हें कहा जाता था ?

   ड्योढ़ीदार पद मध्यकालीन राजस्थान की प्रशासनिक व्यवस्था से सम्बन्धित पद था, जो किसानों से लगान वसूली एवं उन्हें राज्य से तकाबी द्वारा सहायता का कार्य करता था।

0 (Zero)
(Q.01)

2. Name any two dialects counted under Middle-Eastern Rajasthani or Dhundhadi.

   मध्य-पूर्वी राजस्थानी अथवा ढूँढाड़ी के अन्तर्गत सम्मिलित किन्हीं दो बोलियों के नाम लिखिए।

   इसके अन्तर्गत निम्न बोलियाँ हैं :-

   ① तोरावाटी
   ② जगरौती
   ③ नागरचोल

1(One)
(Q.02)

0.75(Zero¾)
(Q.02)

3. How were Buddhism and Jainism different from the religion of Samhitas ? Underline two main differences.

बौद्ध और जैन मत संहिताओं में वर्णित धर्म से किस प्रकार भिन्न थे ? दो मुख्य भिन्नताओं को रेखांकित कीजिए।

बौद्ध	जैन
① अनीश्वरवादी ~~जैन~~ मत था।	इसके द्वारा अनात्मवाद पर बल
② निवृत्ति मार्ग पर बल दिया	इसके द्वारा भी निवृत्तिमार्ग एवम् कठोर त्याग पर बल

0 (Zero)
(Q.03)

4. What is Tin-Kthiya ?

तिन-कथिया क्या है ?

तिन-कठिया पद्धति अंग्रेजों द्वारा नील उत्पादक किसानों से किया गया समझौता था। जिसके अन्तर्गत उन्हें अपनी कृषि भूमि के 3/20 भाग पर नील की खेती करनी होती थी। गाँधी जी द्वारा इसके विरुद्ध चम्पारण सत्याग्रह किया गया

1(One)
(Q.04)

5. Explain Universal Priesthood.

सार्वभौमिक पौरोहित्य का अर्थ स्पष्ट कीजिये।

सार्वभौमिक पौरोहित्य यूरोपीय धर्मसुधार आन्दोलन के दौरान चलने वाली अवधारणा है इसके अनुसार व्यक्ति को ईश्वर से सम्पर्क स्थापित करने हेतु किसी पादरी या पुरोहित की आवश्यकता नहीं है। मार्टिन लूथर के अनुसार इंसान स्वयं अपना पादरी हो सकता है।

1.75(One¾)
(Q.05)

Unit – I/Part – B

Marks : 25

Note : Answer **all** the following questions in **50** words each. Each question carries **5** marks.

नोट : निम्न में से सभी प्रश्नों के उत्तर 50-50 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 5 अंक निर्धारित हैं।

6. Explain the following terms related to Rajasthani Literature :
   (1) Vat
   (2) Vachnika

   राजस्थानी साहित्य से सम्बन्धित निम्नलिखित पदों की व्याख्या कीजिए :
   (1) वात
   (2) वचनिका

① वात → राजस्थानी साहित्य लेखन की वह पद्धति जिसमें संक्षिप्त इतिहास का वर्णन होता है यह किसी शासक के जीवन की घटनाओं का संक्षिप्त वर्णन होता है।
उदाहरण - खिचियां री वात, तुंवरा री वात

② वचनिका - राजस्थानी साहित्य की इस शैली में तुकान्त लेखन के साथ अत्यानुप्रास देखने को मिलता है। इसमें किसी शासक के जीवन चरित्र उसके द्वारा लड़े गये युद्ध आदि का वर्णन होता है।
उदा. अचलदास खिचीरी वचनिका (शिवदास गाडण) द्वारा रचित
खिड़िया जग्गा री कही रतनसिंह महेशदासोत री वचनिका।

0.5(Zero½)
(Q.06(i))

1.5(One½)
(Q.06(ii))

Do Not Write Here

यहाँ कुछ नहीं लिखें

7. Critically evaluate the attitude of the Jaipur Praja Mandal towards Quit India Movement.
भारत छोड़ो आन्दोलन के प्रति जयपुर प्रजामण्डल के दृष्टिकोण का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये।

भारत छोड़ो आन्दोलन में जयपुर प्रजामण्डल द्वारा 1942 में जयपुर रियासत से जेन्टलमेंस एग्रीमेंट किया गया जो जयपुर के प्रधानमंत्री मिर्जा इस्माइल एवम् हीरालाल शास्त्री के मध्य हुआ जिसके अनुसार जयपुर प्रजामण्डल द्वारा भारत छोड़ो आन्दोलन में भाग नहीं लिया गया। एवम् जयपुर रियासत द्वारा प्रजामण्डल के नेताओं पर कार्यवाही। इसके विरुद्ध आजाद मोर्चा का अन्य कार्यकर्ताओं द्वारा गठन।

आलोचना – ① प्रजामण्डल के इस कदम से कार्यकर्ताओं में मतभेद पैदा हो गया। (बाबा हरिश्चन्द्र, गुलाबचन्द कासलीवाल आदि)
② प्रजामण्डल की भारत छोड़ो आन्दोलन में भूमिका नगण्य रही।

2.5 (Two½)
(Q.07)

8. Explain the socio-religious significance of Naynar and Alwar bhakti saints.
नयनार और अलवार भक्ति संतों के सामाजिक–धार्मिक महत्त्व को व्याख्यायित कीजिए।

नयनारों (शैव भक्त) व अलवारों (वैष्णव उपासक) द्वारा दक्षिण भारत में भक्ति आन्दोलन को शुरू किया गया।

सामाजिक धार्मिक महत्व – ① इनके द्वारा जातिवाद एवम् सामाजिक असमानता के विरुद्ध प्रचार प्रसार किया गया।
② नयनारों द्वारा तेवरम नाम से साहित्य सृजन जो साधारण भाषा में लिखे गए, यह संस्कृत के स्थापित वर्चस्व को तोड़ता था।
③ इनके द्वारा कर्मकाण्डों एवम् आडम्बरों की निंदा से इसके विरुद्ध जनता में जागृति का प्रचार प्रसार।
④ भक्ति आन्दोलन के बीजारोपण से आगे इसका व्यापक प्रसार एवम् एकेश्वरवाद, धार्मिक कुरीतियों के विरुद्ध चेतना जगी।

1 (One)
(Q.08)

9. The Razakars were the main obstacles to the accession of Hyderabad into Indian Union. Explain.
हैदराबाद के भारतीय संघ में विलय के मार्ग में रज़ाकार प्रमुख बाधा थे। स्पष्ट कीजिये।

हैदराबाद का भारत संघ में विलय 13 सितम्बर 1948 को पुलिस कार्यवाही (ऑपरेशन पोलो) द्वारा किया गया वहाँ के निजाम द्वारा स्थानीय मिलिशिया रजाकारों का गठन। इनके द्वारा - ① हैदराबाद के ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में जनसेना का निर्माण एवम् व्यापक रक्तपात किया गया।
② रजाकारों की शक्ति के कारण ही निजाम द्वारा विलय पत्र पर हस्ताक्षर करने से इनकार किया गया।
③ पुलिस कार्यवाही का भी इनके द्वारा विरोध अतः स्पष्ट है कि हैदराबाद के भारतीय संघ में विलय के मार्ग में रज़ाकार प्रमुख बाधक थे।

1(One)
(Q.09)

10. How did the two World Wars enhance the political and economic participation of European women ?
दो विश्व युद्धों के कारण राजनीतिक व आर्थिक क्षेत्र में यूरोपीय स्त्रियों की भागीदारी किस प्रकार से बढ़ी ?

1914-18 के प्रथम विश्वयुद्ध एवम् 1939-45 के द्वितीय विश्व युद्ध से स्त्रियों की भागीदारी राजनीतिक व आर्थिक क्षेत्र में निम्नानुसार बढ़ी - ① युद्ध में पुरुष सैनिकों की मृत्यु के कारण युद्ध पश्चात फैक्ट्रियों में कार्मिकों के रूप में महिलाओं द्वारा भाग लिया।
② प्रथम विश्वयुद्ध के बाद वीमन लीग आन्दोलन द्वारा महिलाओं की राजनीतिक क्षेत्र में भूमिका बढ़ी।
③ दोनों विश्वयुद्धों के बाद महिलाओं द्वारा पुरुषों के सापेक्ष समानाधिकार कार्य एवम् मताधिकार राजनीतिक प्रतिनिधित्व की भी मांग की गयी।

1.75(One¾)
(Q.10)

Unit – I/Part – C

Marks : 40

Note : Attempt **all** questions. Answer the following questions in **100** words each. Each question carries **10** marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें । निम्न प्रश्नों के उत्तर **100-100** शब्दों में दें । प्रत्येक प्रश्न के **10** अंक निर्धारित हैं ।

11. Give a brief account of Sun temples of Rajasthan.

राजस्थान के सूर्य मन्दिरों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत कीजिए ।

राजस्थान में सूर्य मन्दिरों की व्यापक श्रृंखला पायी जाती है, ये मन्दिर राज्य में प्राचीन काल से ही सूर्य पूजा के महत्व को स्पष्ट करते हैं –

प्रमुख मन्दिर – (1) झालावाड़ का सूर्य मन्दिर – झालावाड़ शहर के बीचों बीच में स्थित जो प्राचीनतम सूर्य मन्दिर है।

(2) ओसियां का सूर्य मन्दिर – ओसियां में गुर्जर प्रतिहार कालीन सूर्य मन्दिर बना हुआ है, जो ओसियां के मन्दिरों की श्रृंखला के मध्य स्थित है।

(3) सिरोही का सूर्य मन्दिर – सिरोही में डोडुआ के समीप सूर्य मन्दिर जो परमार कालीन है एवम् सिरोही के देवड़ा वंशी शासकों द्वारा सिरोही शहर के समीप सिरणवां पहाड़ी पर भी प्राचीन सूर्य मन्दिर का निर्माण किया गया, यहाँ हाथल में भी सूर्य मन्दिर

(4) चित्तौड़ दुर्ग में स्थित सूर्य मन्दिर – वर्तमान में यह कालिका मन्दिर कहलाता है परन्तु यह एक प्राचीन सूर्य मन्दिर है।

(5) रणकपुर (पाली) के समीप सूर्य मन्दिर – रणकपुर जैन मन्दिर के समीप भी एक प्राचीन सूर्य मन्दिर बना हुआ है।

महत्त्व - (1) सौर्य प्रकाश का महत्त्व उद्घाटित करते हैं।
(2) भारत की परम्परा (कर्म पर बल देना) के वाहक
(3) धार्मिक सहिष्णुता का सन्देश देते हैं।
(4) निरन्तर गतिमान रहने की प्रेरणा।
हालांकि वर्तमान में अधिकांश सूर्य मन्दिर जर्जर अवस्था में हैं अतः सरकार द्वारा इनके पुनरुद्धार की आवश्यकता है।

3(Three)
(Q.11)

Do Not Write Here

यहाँ कुछ नहीं लिखें

12. Continuity of culture is a unique feature of Indian civilization, which is unparalleled in world civilizations. Explain.
विश्व की संस्कृतियों में भारतीय संस्कृति की निरन्तरता एक अनन्य विशिष्टता है। व्याख्या कीजिए।

कहा जाता है कि यूनानो, रोमां, मिट गए मगर बाकी है
लिखा हमारा | कवि इकबाल लिखित पंक्तियाँ भारतीय संस्कृति
की विश्व की संस्कृतियों में निरन्तरता स्पष्ट करती है।

निरन्तरता के प्रमाण — ① सिन्धु घाटी सभ्यता के समय से चली रही मातृ देवी की पूजा वर्तमान में भी भारत के कई अंचलों में विद्यमान।

② वैदिक काल की संस्कृति जिसमें वेदों पर विश्वास प्रवृत्ति एवम् निवृत्ति मार्ग पुरुषार्थ, कर्मवाद की वैदिक सभ्यता से लेकर आज तक निरन्तरता

③ बौद्ध एवम् जैन धर्म द्वारा कर्मकाण्ड का विरोध तार्किकता एवम् जीवदया, मध्यममार्ग के तत्व निरन्तर रूप से चले जो गुप्तकाल, हर्षकाल एवम् वर्तमान काल तक दृष्टिगत

④ सनातन धर्म की समावेशी प्रवृत्ति → सनातन ब्राह्मण धर्म द्वारा जैन, बौद्ध आजीवक एवम अन्य मतों के साथ समावेशिता दर्शायी महात्मा बुद्ध को दशावतार का भाग बताया जो इसकी निरन्तरता में सहायक सिद्ध हुआ

⑤ मौर्य कालीन स्तम्भों पर राज्य आज्ञाओं का प्रदर्शन आज भी नागरिक अधिकार पत्रों प्रशासन गाँवों के संग महत्वों के संग में झलकता है।

⑥ अजन्ता एवम एलोरा में धार्मिक एवम् अन्य भित्ति चित्रों में तत्कालीन सभी सम्प्रदायों का प्रदर्शन तथा इसकी निरन्तरता गुप्त वाकाटक राष्ट्रकूट आदि तक चलती रही

⑦ मन्दिर निर्माण की नागर बेसर एवम द्रविड़ शैली की आज भी निरन्तरता अतः स्पष्ट है भारतीय संस्कृति में निरन्तरता है जो विश्व की संस्कृतियों रोम यूनान मिस्र आदि में नहीं मिलती एवम् वे समय के साथ विलुप्त हो गयी।

2(Two)
(Q.12)

13. Mauryan pillar are of indigenous origin. Explain.
मौर्य स्तम्भ देशज मूल के हैं। व्याख्या कीजिए।

मौर्य कालीन स्तम्भ वैसे तो अकेमेनियन शासकों से प्रेरित थे परन्तु इनकी निम्न विशेषताएँ स्पष्ट करती है कि ये स्तम्भ देशज मूल के थे →

① इन स्तम्भों पर तत्कालीन भारतीय भाषाओं एवम् लिपि (ब्राह्मी, खरोष्ठी) में लेखन।

② स्तम्भ एकाश्मक जबकि अकेमेनियन स्तम्भ पत्थरों को जोड़ कर बनाए गये है।

③ इनमें निर्माण सामग्री धूंसर बलुआ पत्थर जो भारत का देशज था।

④ स्तम्भों पर ओप नामक पॉलिश की चमक जो अकेमेनियन स्तम्भों पर नहीं मिलती।

⑤ स्तम्भों पर देशज पशुओं (सिंह-सारनाथ) हाथी-संकिसा बैल (रामपुरवा) का निर्माण जो देशज विशेषता को दर्शाता है।

⑥ स्तम्भों की विषयवस्तु → अशोक की धम्म नीति समारोहों की निंदा राज्य की सीमा युक्त एवम् रज्जुक नामक अधिकारियों का वर्णन इनके देशज मूल को स्पष्ट करता है।

⑦ इन स्तम्भों द्वारा अशोक की राज्य आज्ञाओं, कर में छूट आदि का वर्णन इनके देशज मूल को स्पष्ट करता है।

प्रमुख स्तम्भ – शाहबाजगढ़ी मानसेहरा जौगड़ धौली, कालसी, गुर्जरा, मस्की आदि

इस प्रकार स्पष्ट है कि मौर्य कालीन स्तम्भ देशज मूल के है।

2(Two)
(Q.13)

14. European industrial revolution finally gave rise to New Imperialism. Explain.
यूरोपीय औद्योगिक क्रांति ने अन्ततः नव साम्राज्यवाद को जन्म दिया । वर्णन कीजिए ।

नवसाम्राज्यवाद औद्योगिक क्रांति का उपोत्पाद था।
नवसाम्राज्यवाद वस्तुतः वह अवधारणा है जिसमें शक्तिशाली राष्ट्र द्वारा स्वरदावी शासन एवम् परस्पर लाभ की दृष्टि के नाम पर कमजोर राष्ट्र पर अप्रत्यक्ष राजनीतिक अधिकार कर लिया जाता है।
इसमें यूरोपीय राष्ट्रों के अलावा जापान अमेरिका भी शामिल थे।

कारण :- ① औद्योगिक क्रांति के कारण उत्पन्न अतिरिक्त तैयार माल को खपाना।
② कच्चे माल एवम् कृषि उत्पादों हेतु अन्य राष्ट्रों पर अधिकार किया जाना आवश्यक
③ कच्चे माल को इतरस्थ क्षेत्रों से लाने हेतु कमजोर राष्ट्रों में पूंजी का निवेश एवम् इस निवेश की सुरक्षा हेतु इस प्रकार की मंशा को अपनाना
④ औद्योगिक क्रांति द्वारा उग्र राष्ट्रवाद को जन्म दिया गया जिसके कारण अधिकाधिक उपनिवेश प्राप्ति की साम्राज्यवादी राष्ट्रों में होड लगाना।
⑤ औद्योगिक क्रांति से हुई आय द्वारा भौगोलिक खोजों को राज्य द्वारा बल एवम् नये व्यापार क्षेत्र व्यापार मार्ग, केप ऑफ गुड होप अन्य महाद्वीप (अफ्रीका) की खोज आदि ने नवसाम्राज्यवाद को जन्म दिया।
अतः कहा जा सकता है कि यूरोपीय औद्योगिक क्रांति द्वारा अन्ततः नवसाम्राज्यवाद को जन्म दिया था।

4.5(Four½)
(Q.14)

Unit – II (65 Marks)

Part – A Marks : 10

Note : Attempt **all** questions. Answer the following questions in **15** words each. Each question carries **2** marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें । निम्न प्रश्नों के उत्तर **15-15** शब्दों में दें । प्रत्येक प्रश्न के **2** अंक निर्धारित हैं ।

15. What comprises non-tax revenue of the Central Government ?
केन्द्रीय सरकार के गैर–कर राजस्व में क्या समाविष्ट होता है ?

केन्द्रीय सरकार के गैर-कर राजस्व में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क काउन्टर वेलिंग ड्यूटी आदि सम्मिलित होते हैं।

0 (Zero)
(Q.15)

16. Write the name of the three economic railway corridors, which were announced in the interim budget for 2024-25 under the P.M. Gati Shakti Framework.
उन तीन आर्थिक रेलवे गलियारों के नाम लिखिए जिन्हें प्रधानमन्त्री गतिशक्ति ढाँचे के अन्तर्गत 2024-25 के अन्तरिम बजट में घोषित किया गया ।

प्रधानमंत्री द्वारा 2024-25 के अन्तरिम बजट में घोषित आर्थिक रेलवे गलियारों में शामिल है-
(1) पश्चिमी समर्पित माल भाड़ा गलियारा।
(2) पूर्वी समर्पित माल भाड़ा गलियारा।
(3) मुम्बई चेन्नई माल भाड़ा गलियारा।

0 (Zero)
(Q.16)

17. What is the inflation targeting framework of Reserve Bank of India ?
भारतीय रिज़र्व बैंक का मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण ढाँचा क्या है ?

भारतीय रिज़र्व बैंक का मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण ढाँचा है
① मौद्रिक नीति समिति इसमें रिज़र्व बैंक गवर्नर दो अन्य
उपगवर्नर एवम् सदस्य सरकार के सम्मिलित होते हैं।
4% ± 2% मुद्रास्फीति लक्ष्य, इस हेतु रेपो रेट, रिवर्स रेपो
रेट आदि में परिवर्तन किया जाता है।

2(Two) (Q.17)

18. Why Gyan Sankalp Portal has been established by Government of Rajasthan ?
राजस्थान सरकार के द्वारा ज्ञान संकल्प पोर्टल को क्यों स्थापित किया गया है ?

राजस्थान सरकार द्वारा ज्ञान संकल्प पोर्टल भामाशाहों
सी.एस.आर. आदि द्वारा विद्यालयों में सीधे दान अवसंरचना
हेतु वित्तीय सहायता आदि के लिए समर्पित ऑनलाइन
प्लेटफार्म के रूप में किया गया यह विद्यालयों के विकास
हेतु आवश्यक है।

2(Two) (Q.18)

19. What is the main objective of Rajasthan Janani Shishu Suraksha Yojana ?
राजस्थान जननी शिशु सुरक्षा योजना का मुख्य उद्देश्य क्या है ?

राजस्थान जननी शिशु सुरक्षा का उद्देश्य -
① संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देना
② मातृ एवम् शिशु मृत्यु दर में कमी लाना
③ टीकाकरण एवम् पोषण को बढ़ावा देना है।

1.5(One½) (Q.19)

Unit – II /Part – B **Marks : 25**

Note : Answer **all** the following questions in **50** words each. Each question carries **5** marks.

नोट : निम्न में से सभी प्रश्नों के उत्तर 50-50 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 5 अंक निर्धारित हैं।

20. What are the main objectives of Pradhan Mantri Kisan Sampada Yojana ?
प्रधानमन्त्री किसान सम्पदा योजना के प्रमुख उद्देश्य क्या हैं ?

प्रधानमंत्री किसान सम्पदा योजना भारत सरकार द्वारा खाद्य प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 2017 में शुरू की गयी है

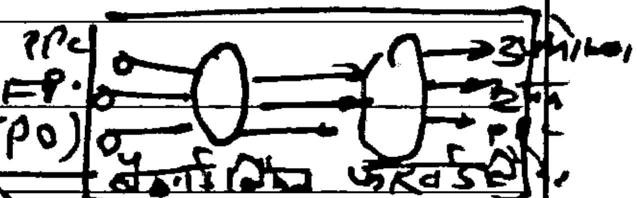

उद्देश्य - ① कृषकों एवम् उनके समूहों (FPO) के द्वारा समूह आधारित गतिविधियों से कृषि प्रसंस्करण ② फारवर्ड एवम् बैकवर्ड लिंकेज द्वारा प्रसंस्कृत उत्पादों को विपणन में सहायता देना। ③ कृषि उत्पादों को जल्दी खराब होने से बचाना। ④ किसानों की आय में वृद्धि करना। ⑤ कृषि प्रसंस्करण हेतु प्रशिक्षण प्रदान करना। आदि है।

3(Three)
(Q.20)

Do Not Write Here

यहाँ कुछ नहीं लिखें

21. What are the functions of Bureau of Investment Promotion in Rajasthan ?

राजस्थान में निवेश संवर्धन ब्यूरो के क्या कार्य हैं ?

राजस्थान सरकार द्वारा वर्ष 1991 में निवेश संवर्द्धन ब्यूरो की स्थापना की गयी है जो मुख्य सचिव की अध्यक्षता में संचालित तथा 10 करोड़ से अधिक के निवेश को देखता है।

कार्य - ① निवेशकर्ताओं हेतु समर्पित प्लेटफॉर्म का कार्य

② निवेशकर्ताओं हेतु एकल खिड़की, इज ऑफ डूइंग बिजनेस जैसे विकल्पों को उपलब्ध करवाना

③ अनुबंधों को लागू करवाना, जागरूकता प्रचार प्रसार

④ राज्य में निवेश पारिस्थितिकी का निर्माण

2.5(Two½) (Q.21)

22. What are the objectives of 'SVAMITVA' Scheme in India ?

भारत में 'स्वामित्व' योजना के उद्देश्य क्या हैं ?

स्वामित्व योजना (सर्वे ऑफ विलेजेज एण्ड इम्प्रूवाइज्ड टेक्नोलॉजी) की शुरुआत भारत सरकार द्वारा 24 अप्रैल 2020 को की गयी है।

उद्देश्य - ① ग्रामीण क्षेत्रों में नागरिकों को उनकी आबादी भूमि का सर्वे कर डिजिटल पट्टा प्रदान करना

② आबादी भूमि का व्यापक ड्रोन द्वारा सर्वे करना।

③ इसके द्वारा आबादी भूमि पर स्वामित्व सम्बन्धी विवादों का निपटान सरलता से किया जा सकेगा।

यह योजना 2020 में पायलट आधार पर शुरू हुई थी जो अब पूरे देश में लागू हो चुकी है। नोडल मंत्रालय ग्रामीण विकास एवम् पंचायती राज मंत्रालय।

2.5(Two½) (Q.22)

23. What are the targets of National Logistics Policy of India ?
भारत की राष्ट्रीय रसद नीति के लक्ष्य क्या है ?

भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय रसद नीति वैश्विक रसद लागत 8% के समान भारतीय रसद लागत को करने हेतु शुरू की गयी है जो वर्तमान में 11-14% है।
→ इसके लिए एक समर्पित लॉजिस्टिक्स प्लेटफॉर्म का भी निर्माण किया जाएगा।
→ राज्यों को रसद लागत में सुधार हेतु सहायता एवं उनका प्रदर्शन आधारित मूल्यांकन (लॉजिस्टिक इज इंडेक्स (LEADS) का प्रकाशन
→ रसद लागत सुधार हेतु गतिशक्ति प्लेटफॉर्म से इसका जुड़ाव एवं समर्पित डिपो, गलियारों का निर्माण करना।

1.5(One½) (Q.23)

24. Describe the main recommendations of Sixth State Finance Commission of Rajasthan.
राजस्थान के छठवें राज्य वित्त आयोग की मुख्य सिफारिशों का वर्णन कीजिये ।

राजस्थान में छठवें वित्त आयोग का गठन श्री प्रद्युम्न सिंह की अध्यक्षता में किया गया, जिसकी पंचाट अवधि 2020 से 2025 है, इसकी सिफारिशें
① पंचायती राज संस्थाओं को राज्य के कर राजस्व में से 6.75% राजस्व का वितरण
② इस राजस्व का विभाजन 74.1% पंचायतों को व 25.9% नगरीय निकायों को प्रदान करना
③ पंचायतों हेतु 5% राशि जिला परिषद 20% पंचायत समिति एवम् 75% राशि ग्राम पंचायतों को प्रदान करना।
④ इसमें टाइड अनुदान के तहत स्वच्छता, ठोस कचरा निपटान हेतु खर्च किया जाना आवश्यक है।

2(Two) (Q.24)

Unit – II / Part – C Marks : 30

Note : Answer **all** the following questions in **100** words each. Each question carries **10** marks.

नोट : निम्न में से सभी प्रश्नों के उत्तर **100-100** शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के **10** अंक निर्धारित हैं।

25. Discuss the salient features of Pradhan Mantri Fasal Bima Yojana in India.
भारत में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की प्रमुख विशेषताओं पर चर्चा कीजिये।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की शुरूआत भारत सरकार द्वारा वर्ष 2016 में 18 फरवरी को गयी।

विशेषताएं - (1) किसानों को फसल बीमा प्रीमियम के से खरीफ फसलों हेतु 2% रबी का 1.5% तथा व्यावसायिक फसलों हेतु 5% दिया जाना आवश्यक।

(2) फसल कटाई के 15 दिवस बाद तक उसकी जोखिम से सुरक्षा। (मौसम आधारित व अन्य जोखिम)

(3) किसान को फसल खराबे की सूचना 72 घण्टे में देनी आवश्यक है।

(4) इस हेतु एक समर्पित ऑनलाइन प्लेटफॉर्म एवं टोल फ्री नम्बर जारी किया गया है।

(5) प्रत्येक जिले में जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में एक समिति का गठन जो फसल खराबे के आंकलन एवं इसके मुआवजे के वितरण हेतु जिम्मेदार होगी

(6) भारत सरकार द्वारा इसके एक समर्पित कम्पनी एग्रीकल्चर इन्श्योरेंस कम्पनी लि. का गठन किया गया है।

(7) किसान हेतु योजना का चयन स्वैच्छिक है।

(8) प्रत्येक जिले में निजी कम्पनियों को फसल बीमा की जानकारी, फसल खराबे के आंकलन

एक इस योजना के प्रचार प्रसार हेतु नियुक्त किया गया है।

(कमियां) - ① फसल खराबे का मुआवजा समय पर नहीं मिलना
② मुआवजा, खराबे के मुकाबले अत्यंत कम मिलना आदि

निष्कर्षत: यह योजना किसानों की जोखिम से सुरक्षा एवम् उनकी आय स्वर्द्धन में सहायक सिद्ध हो रही है।

3.5(Three½)
(Q.25)

Do Not Write Here
यहाँ कुछ नहीं लिखें

26. Discuss in brief India's updated Nationally Determined Contribution (NDC) submitted to the United Nations Framework Convention to Climate Change (UNFCCC).
जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन में प्रस्तुत भारत के राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित अद्यतित योगदान पर संक्षेप में चर्चा कीजिए।

भारत सरकार द्वारा पेरिस जलवायु शिखर सम्मेलन (COP-21) में अपने राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान निर्धारित किए गये थे-

जोथे - ① कार्बन तीव्रता को वर्ष 2030 तक 2005-05 के स्तर से 33-35% कम करना

② जीवाश्म ईंधन में 2030 तक 40% कमी करना।

अद्यतित योगदान लक्ष्य →

① कार्बन तीव्रता को वर्ष 2030 तक 2005-05 के स्तर से 45% कम करना

② जीवाश्म ईंधन दहन में 2030 तक 50% कमी करना।

③ देश की कुल ऊर्जा आवश्यकता का 50% नवीकरणीय ऊर्जा द्वारा पूरा किया जाना।

इस हेतु कार्य - ① कार्बन तीव्रता में कमी हेतु उद्योगों में प्रदर्शन आधारित मूल्यांकन (PAT)

② ग्रीन हाइड्रोजन मिशन, राष्ट्रीय सौर मिशन के तहत नवीकरणीय ऊर्जा का बढ़ावा, एवम नवीकरणीय ऊर्जा वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट उत्पादित करने का लक्ष्य

③ इलेक्ट्रिक व्हीकल एवम इलेक्ट्रिक मोबिलिटी पर बल

④ रूफ टॉप सौर ऊर्जा हेतु प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना, कुसुम योजना, तथा सौर ऊर्जा विकास हेतु सौर पार्कों का निर्माण

इस प्रकार भारत द्वारा अपने निर्धारित राष्ट्रीय स्तर योगदान की प्राप्ति हेतु महत्वपूर्ण प्रयास किये जा रहे हैं।

3(Three)
(Q.26)

27. Write a short note on Rajasthan Water Sector Livelihood Improvement Project (RWSLIP).

राजस्थान जल क्षेत्र आजीविका सुधार परियोजना पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

राजस्थान जल क्षेत्र आजीविका सुधार योजना जापान इन्टरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (जायका) द्वारा संचालित की जा रही है, जो राज्य के 27 जिलों की 137 परियोजनाओं हेतु संचालित है। परियोजना अवधि 2024 से आगे बढ़ायी गयी है।

कार्य - ① जल क्षेत्र एवम भू-जल पुनर्भरण सुधार हेतु चयनित जिलों में बांधों का पुनर्वास एवम उनकी रीलाइनिंग

② विभिन्न जल क्षेत्र परियोजनाओं हेतु कमांड क्षेत्र विकास जल संरक्षण युक्तियों (फार्म पोण्ड, जोहड़, चेकडेम) हेतु वित्तीय सहायता

③ चयनित जिलों में कृषि क्षेत्र से आजीविका सुधार हेतु जल संरक्षण की स्थायी एवम अस्थायी संरचनाओं के निर्माण में सहायता।

④ इसके अन्तर्गत कृषि विभाग जल संरक्षण विभाग एवम पंचायती राज विभाग की प्रमुख परियोजनाएँ सम्मिलित है।

⑤ प्रमुख जिले - जयपुर, दौसा, टोंक, सिरोही, जालोर, पाली आदि

⑥ इस परियोजना के तहत योजना निर्माण एवम उसकी निगरानी एक जिला स्तरीय समिति करती है।

निष्कर्ष : राजस्थान जल क्षेत्र आजीविका सुधार परियोजना राज्य में जलसंरक्षण हेतु एक महत्वपूर्ण योजना है जो सतत विकास लक्ष्य 1, 2 एवम 6 की प्राप्ति में सहायता है।

3.5 (Three½) (Q.27)

Unit – III (Section – A) (20 Marks)

Part – A Marks : 10

Note : Attempt **all** questions. Answer the following questions in **15** words each. Each question carries **2** marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें । निम्न प्रश्नों के उत्तर **15-15** शब्दों में दें । प्रत्येक प्रश्न के **2** अंक निर्धारित हैं ।

28. What do you mean by Westoxication ?
वेस्टोक्सीकेशन से आपका क्या अभिप्राय है ?

वेस्टोक्सीकेशन - पश्चिमीकरण के कारण उत्पन्न होने वाली नकारात्मक अवधारणा है जो स्थानीय संस्कृति के मूल्यों को विस्थापित करती है एवम् अर्थव्यवस्था में भी प्रभुत्व स्थापित करती है। उदाहरण - भारत में संयुक्त परिवारों का टूटना, वृद्धों की उपेक्षा, पर्यावरण की उपेक्षा आदि।

0 (Zero) (Q.28)

29. Mention the forms of Cultural Flow discussed by Arjun Appadurai regarding Global Society.
अर्जुन अप्पादुर्इ द्वारा वैश्विक समाज के संदर्भ में उल्लेखित सांस्कृतिक प्रवाह के स्वरूपों का उल्लेख कीजिए ।

0 (Zero) (Q.29)

30. Casual Employment

अनियत रोज़गार

अनियत रोजगार ऐसी अवस्था को सन्दर्भित करता है जिसमें रोजगार का स्थायित्व नहीं होता मुक्त रूप से व्यक्ति किसी भी संस्थान में कम समय हेतु कार्य करता है। उदाहरण- जॉब वर्क, श्रमिकों का असंगठित क्षेत्र में कार्य करना आदि

0.25(Zero¼) (Q.30)

31. Culture of Poverty

निर्धनता की संस्कृति

निर्धनता की संस्कृति ऐसी अवस्था है जिसमें निर्धनता एवं मानसिकता बन जाती है जिससे व्यक्ति गरीबी के दुष्चक्र में फंसा रहता है।

0.25(Zero¼) (Q.31)

32. Demerits of Dowry System

दहेज प्रथा के दोष/कमियाँ

ये हैं - ① महिला का वस्तुकरण ② बेमेल विवाह
③ लड़की को बोझ समझा जाना एवम् कई बार लड़कियों की भ्रूण हत्या
④ माता पिता द्वारा लड़कियों की शिक्षा आदि पर धन खर्च नहीं करना
⑤ घरेलू हिंसा को बढ़ावा।

2(Two) (Q.32)

Unit – III (Section – A)

Part – B **Marks : 10**

Note : Answer **all** the following questions in **50** words each. Each question carries **5** marks.

नोट : निम्न में से **सभी** प्रश्नों के उत्तर **50-50** शब्दों में दें । प्रत्येक प्रश्न के **5** अंक निर्धारित हैं ।

33. How Caste system represents segmental division of society ?

किस प्रकार जाति व्यवस्था समाज के खण्डात्मक विभाजन को प्रस्तुत करती है ?

1.5(One½)
(Q.33)

समाजशास्त्री डॉ. जी.एस. घुरिये के अनुसार जाति व्यवस्था समाज का खण्डात्मक विभाजन प्रस्तुत करती है। यथा - ① यह उच्च जाति व निम्न जाति का भेद स्थापित करती है।
② पवित्रता व प्रदूषण की अवधारणा द्वारा सामाजिक खण्ड निर्माण करती है।
③ प्रभु जाति की अवधारणा से उच्च जातियां प्रभुत्व स्थापित करती है।
④ विवाह खान-पान आदि नियोग्यताओं द्वारा संस्तरण
⑤ ऊँच-नीच की अवधारणा को स्वीकृति आदि।

34. Present the socio-economic profile of Garasia Tribe.

गरासिया जनजाति की सामाजिक–आर्थिक प्रोफाइल (रूपरेखा) प्रस्तुत कीजिए ।

गरासिया जनजाति की बसावट - सिरोही पाली उदयपुर आदि जिलों में है (इनकी) - आर्थिक स्थिति - आर्थिक रूप से निम्न स्थिति गरीबी के शिकार कृषि आधारित अर्थव्यवस्था पर निर्भरता दाजिया, चिमाता, वालर झूम कृषि को बढ़ावा
सामाजिक प्रोफाइल - ① विवाह एक संविदा जिसमें वधू मूल्य भी देना होता है। ② विवाह के प्रकार - पहरावना विवाह मोरबांधिया विवाह खेवणो विवाह मेलवो विवाह
③ जातीय पंचायतें - ऊंचला न्याय, नेनकी न्याय, मोडरिया
④ मातृसत्तात्मकता का अंश ⑤ पूर्वजों की अस्थियों का विसर्जन रियाला के मेले में किया जाना।

3(Three)
(Q.34)

Unit – III (Section – B) **(20 Marks)**

Part – A **Marks : 10**

Note : Attempt **all** questions. Answer the following questions in **15** words each. Each question carries **2** marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों के उत्तर 15-15 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक निर्धारित हैं।

35. What do you mean by the 'depth' of product portfolio ?

उत्पाद पोर्टफोलियो की 'गहराई' से आपका क्या तात्पर्य है ?

उत्पाद का पोर्टफोलियो गहराई के सन्दर्भ में स्पष्ट करता है कि उत्पाद की गुणवत्ता अच्छी हो, विज्ञापन में गहन विज्ञापन पर बल दिया जाए, ग्राहक की संतुष्टि पर बल दिया जाए आदि।

0 (Zero)
(Q.35)

36. Who propounded the theory of 'Irrelevance of Capital Structure' ? Write one key assumption of the theory.

'पूँजी संरचना की अप्रासंगिकता' का सिद्धान्त किसने प्रतिपादित किया ? सिद्धान्त की एक प्रमुख अवधारणा लिखिए।

पूँजी संरचना की अप्रासंगिकता का सिद्धान्त मिल्टन एच. स्पेन्सर द्वारा दिया गया।
विशेषता - (1) यदि पूँजी संरचना पर्याप्त लोचशाली नहीं हो तो यह अप्रासंगिक होती है।

0 (Zero)
(Q.36)

37. List four leadership behaviours under 'Path Goal Theory of Leadership'.

'नेतृत्व के पथ लक्ष्य सिद्धान्त' के अंतर्गत चार नेतृत्व व्यवहारों की सूची बनाएँ।

नेतृत्व का पथ लक्ष्य सिद्धान्त मार्टिन इवांस द्वारा प्रतिपादित इसके अनुसार नेतृत्व ① उच्च पहलकारी (कार्य केन्द्रित) एवम् कार्मिक केन्द्रित के अनुसार ① कमजोर नेतृत्व ② टास्क मैनेजर ③ कंट्री क्लब ④ प्रभावी नेतृत्व

9,0 कंट्री क्लब	9,9 प्रभावी नेतृत्व
0,0 कमजोर	0,9 टास्क

↑ कार्मिक → कार्य

0 (Zero) (Q.37)

38. List two criteria (as per SEBI) for qualifying as an 'Angel Investor' in India.

भारत में 'एंजेल निवेशक' के रूप में अर्हता प्राप्त करने के लिए दो मापदंड (सेबी के अनुसार) सूचीबद्ध करें।

भारत में एंजेल निवेशक के रूप में अर्हता प्राप्त करने हेतु सेबी के अनुसार - ① पंजीकृत भारतीय कम्पनी का मालिक/प्रबन्धक ही एंजेल निवेशक होना चाहिए ② एंजेल निवेशक द्वारा अपने निवेश की सूचना कम्पनी के लेखों में करना आवश्यक है।

0 (Zero) (Q.38)

39. Expand 'MICE'.

'MICE' का विस्तार करें।

इसका अर्थ है - ① मीटिंग ② इंसेंटिव ③ कॉन्फ्रेंस ④ एक्जीबिशन यह पर्यटन के सम्बन्ध में चलने वाली अवधारणा है।

2(Two) (Q.39)

Unit – III (Section – B)

Part – B **Marks : 10**

Note : Answer **all** the following questions in **50** words each. Each question carries **5** marks.

नोट : निम्न में से **सभी** प्रश्नों के उत्तर 50-50 शब्दों में दें । प्रत्येक प्रश्न के 5 अंक निर्धारित हैं ।

40. Who proposed Three-Needs Theory ? List and explain in brief those three needs.
त्रि–आवश्यकता सिद्धान्त का प्रतिपादन किसने किया ? उन तीन आवश्यकताओं की सूची बनाकर संक्षेप में बताएँ ।

त्रि-आवश्यकता सिद्धान्त का प्रतिपादन फिडलर
द्वारा किया गया है, इसके अनुसार अभिप्रेरणा
हेतु तीन आवश्यकताएं होती हैं –
① व्यक्ति की आवश्यकताएँ ② कार्य की आवश्यकताएं
③ संगठन की आवश्यकताएँ
① व्यक्ति की आवश्यकताएँ – वेतन, कार्यकाल की सुरक्षा, सम्मान
के द्वारा व्यक्ति अभिप्रेरित होता है।
② कार्य की आवश्यकताएं – कार्य की प्रकृति सरल एवम् प्रेरणा देने वाली होनी चाहिए
③ संगठन की आवश्यकताएं – संगठन द्वारा पुरस्कार उपलब्धि
पर पुरस्कार से व्यक्ति अभिप्रेरित होता है।

0 (Zero)
(Q.40)

Do Not Write Here

यहाँ कुछ नहीं लिखें

41. What are various types of NBFCs as per Reserve Bank of India (RBI) ?

भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) के अनुसार विभिन्न प्रकार की NBFC क्या हैं ?

भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार विभिन्न प्रकार की NBFC है

① एसेट फाइनेंस कम्पनी → ये NBFC किसी सम्पत्ति की खरीद (ट्रैक्टर, खराद मशीन आदि) हेतु ऋण देती है।

② निवेश कम्पनी – इस प्रकार की NBFC किसी परियोजना में निवेश हेतु ऋण उपलब्ध कराती है।

③ NBFC-MFI – इस प्रकार की NBFC सूक्ष्म ऋण उपलब्ध कराती है जो मुख्य रूप से छोटे कर्जदारों को दिया जाता है (ग्रामीण क्षेत्र)

④ ऋण कम्पनी → लोगों को आवश्यकतानुसार ऋण उपलब्ध कराती है।

⑤ रियल स्टेट NBFC – ये रियल स्टेट परियोजनाओं हेतु ऋण देती है।

2(Two) (Q.41)

Do Not Write Here

यहाँ कुछ नहीं लिखें

Unit – III (Section – C) (20 Marks)

Part – A Marks : 10

Note : Attempt **all** questions. Answer the following questions in **15** words each. Each question carries **2** marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें । निम्न प्रश्नों के उत्तर 15-15 शब्दों में दें । प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक निर्धारित हैं ।

42. Give any four objectives of Auditing.

अंकेक्षण के कोई चार उद्देश्य दीजिए ।

(1) संस्था के वित्तीय विवरणों की सत्यता की जाँच करना।
(2) किसी त्रुटी अथवा गबन का पता लगाना
(3) संस्था के हितधारकों को संस्था के बारे में सही जानकारी उपलब्ध कराना
(4) संस्था के लेखों की विश्वसनीयता सिद्ध करना ।

0.75(Zero¾) (Q.42)

43. Write down any four duties of Comptroller and Auditor General of India.

भारत के नियंत्रक व महालेखा परीक्षक के कोई चार कर्तव्य लिखिए ।

संविधान के अनुच्छेद 148 के तहत स्थापित भारत के नियंत्रक व महालेखा परीक्षक के कर्तव्य है - (1) भारत सम्राज्य सरकार के लेखो की जाँच करना ।
(2) विनियोग लेखा व वित्त लेखा की जाँच (3) सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के लेखों की जाँच (4) जनलेखा समिति को लेखा जाँचने में सहायता उपलब्ध करना ।

1(One) (Q.43)

44. Write down elements of Auditing as per definition given by International Auditing & Assurance Standards Board (IAASB).

अन्तर्राष्ट्रीय अंकेक्षण तथा आश्वासन मानक मण्डल (IAASB) द्वारा दी गई परिभाषा के अनुसार अंकेक्षण के तत्त्व लिखिए।

इसके अनुसार अंकेक्षण के तत्त्व :- (1) संस्था के लेखों की स्वतंत्र एवम् योग्य व्यक्ति द्वारा जाँच
(2) संस्था के लेखों पर राय प्रकट करना
(3) संस्था के लेखों की सत्यता सिद्ध करना।

0.25(Zero¼)
(Q.44)

45. Write down any four essential features of Zero Based Budgeting.

शून्य आधार बजटन की कोई चार मूलभूत विशेषताएँ लिखिये।

(1) यह बजट प्रतिवर्ष शून्य आधार पर नये बजट प्रवर्तन पर बल देता है।
(2) यह लागत लाभ विश्लेषण पर आधारित
(3) योजना की आवश्यकता सिद्ध करने पर बल देता
(4) राजकोषीय अनुशासन पर बल देने वाली अवधारणा।

0.5(Zero½)
(Q.45)

46. Write any two objectives of performance budgeting as recommended by Administrative Reforms Commission.

प्रशासनिक सुधार आयोग द्वारा की गई सिफारिश के अनुसार निष्पादन बजटन के कोई दो उद्देश्य लिखिये।

प्रशासनिक सुधार आयोग के अनुसार निष्पादन बजट के उद्देश्य -(1) योजना के लक्ष्य एवम् वास्तविक निष्पादन की तुलना के आधार पर बजटन
(2) लागत-लाभ विश्लेषण के आधार पर बजटीकरण

×

0 (Zero)
(Q.46)

Unit – III (Section – C)

Part – B

Marks : 10

Note : Answer **all** the following questions in **50** words each. Each question carries **5** marks.

नोट : निम्न में से **सभी** प्रश्नों के उत्तर **50-50** शब्दों में दें । प्रत्येक प्रश्न के **5** अंक निर्धारित हैं ।

47. Write down any five techniques of financial statements analysis.

वित्तीय विवरणों के विश्लेषण की कोई पाँच तकनीकें लिखिये ।

वित्तीय विवरणों के विश्लेषण की तकनीकें है -

(1) तुलनात्मक वित्तीय विवरण - दो या अधिक संस्थाओं के दो या अधिक वर्षों के वित्तीय विवरणों का विश्लेषण ।

(2) कोष प्रवाह विश्लेषण - दो स्थिति विवरणों के बीच कोषों का विश्लेषण ।

(3) प्रवृत्ति विश्लेषण - कई वर्षों के दौरान संस्था के वित्तीय व्यवहारों की प्रवृत्ति का विश्लेषण ।

(4) रोकड़ प्रवाह विश्लेषण - रोकड़ अन्तर्वाह व रोकड़ बहिर्वाह का विश्लेषण ।

(5) समानाकार वित्तीय विवरण विश्लेषण - एक संस्था के एक ही अवधि में विभिन्न मदों के वित्तीय विवरणों का विश्लेषण है ।

5(Five)
(Q.47)

Do Not Write Here

यहाँ कुछ नहीं लिखें

48. Give journal entries for the following transactions without narration :

(1) Goods sold to B for ₹ 20,000 in cash and ₹ 10,000 on credit.

(2) Goods returned by B for ₹ 5,000.

(3) Withdrew goods of ₹ 5,000 for personal use.

(4) Furniture purchased for office purpose worth ₹ 30,000.

(5) Goods worth ₹ 5,000 burnt by fire.

निम्नांकित व्यवहारों की जर्नल प्रविष्टियाँ बिना विवरण के दीजिये :

(1) बी को ₹ 20,000 का माल नगद व ₹ 10,000 का उधार बेचा ।

(2) बी द्वारा ₹ 5,000 का माल लौटाया गया ।

(3) ₹ 5,000 का माल व्यक्तिगत उपयोग के लिए निकाला गया ।

(4) ऑफिस कार्य के लिए ₹ 30,000 मूल्य का फर्नीचर खरीदा ।

(5) ₹ 5,000 मूल्य का माल आग से नष्ट हो गया ।

जर्नल

Dr Cr

① 20000) बी को 20,000 ₹ का नकद माल बेचा ✗ 10000) बी को 10000₹ का माल उधार बेचा 0 (Zero) (Q.48(i))

② 5000) बी द्वारा 5000₹ का माल लौटाया गया ✗ 0 (Zero) (Q.48(ii))

③ 5000 ✗) 5000₹ का माल व्यक्तिगत उपयोग हेतु निकाला 0 (Zero) (Q.48(iii))

④ 30,000) फर्नीचर ✗ 0 (Zero) (Q.48(iv))

⑤ 5000) ✗ आग से माल नष्ट 0 (Zero) (Q.48(v))

कुल 55,000) 20000)

SPACE FOR ROUGH WORK